

Stichiry 4. hlasu

na nedeľnej večerni a utierni

Nápev ZR podľa neumových prameňov 16.-17. storočia¹

- preložený do kyjevskej notácie
- s použitím ruténskej redakcie popevkových melódií
- aplikovaný na nikonovský text
- upravený na spev

* * * * *

Uvádzame stichiry veľkej večierne v sobotu večer a nedeľnej utierne.² Neuvádzame záverečné stichiry Bohorodičky (*dogmatiky*), ktorým sa venujeme osobitne na inom mieste.

Sobota večer/ Veľká večiereň/	Hospodi vozzvach/	3 anastasimá 4 anatoliká (Bohorodičen dogmatik) ---	Anast 1-3 Anatol 1-4
	Stichovna/	prvá stichira 3 stichiry „abecedné“ (Bohorodičen) ---	Apostich 1 Alfabet 1-3
Nedeľa ráno/ Utiereň/	Chvály/	prvé štyri stichiry 4 anatoliká	Anast 4-7 Anatol 5-6

© 2009 www.irmologion.nfo.sk

¹ Rukopisy Trojicko-Sergijevskej Lavry: S444, 408, 410, 411, 414, 416, 429; s prihliadnutím na preklad v SI a grécke pramene z 12.-14. storočia.

² Toto obmedzenie zodpovedá výberu stichír v tzv. Veľkých zborníkoch. Nápevy 4. hlasu z večierne v nedeľu večer (vrátane stichír, ktoré sa spievajú len vo Veľkom pôste) uvádzame v osobitnom dokumente.

Въ рѣбѣхъ на велицѣхъ вечерни, на Гдѣ воззвахъ стѣхны воєрѣны, гласъ д.

Гдѣ, воззвахъ къ тебѣ, оубыиши мѣ.

Оубыиши мѣ гдѣ.

Гдѣ, воззвахъ къ тебѣ, оубыиши мѣ:

вонми гласъ молѣнїа моегѣ,
внегда воззвахъ ти мѣ къ тебѣ.

Оубыиши мѣ гдѣ.

Да испрѣвѣна мѣтѣ моѣ, ѣкѣ кадило предъ тобою,
воздѣанїе рѣкъ моею, жертѣа вечернаѣ.

Оубыиши мѣ гдѣ.

Извѣди изъ темницы дѣшѣ моѣ, исповѣдатѣна имени твоємѣ.

Менѣ ждѣтъ правѣдницы, дондеже воздѣиши мнѣ.

Изъ глѣбнны воззвахъ къ тебѣ гдѣ, гдѣ, оубыиши гласъ мой.

Да бѣдѣтъ оуши твоѣ, внемлющѣ гласъ молѣнїа моегѣ.

Ѧще беззаконїа нѣзрѣшиши гдѣ, гдѣ, кѣто потерпѣтъ; ѣкѣ оу тебѣ ѡчищенїе єсть.

Имене радѣи твоегѣ потерпѣхъ тѣ гдѣ, потерпѣ дѣшѣ моѣ въ слово твоѣ, оуповѣ дѣшѣ моѣ на гдѣ.

Ѧ стѣрѣжи оутреннїа до нѣщѣи, ѡ стѣрѣжи оутреннїа, да оуповѣетъ ииша на гдѣ.

Ѧкѣ оу гдѣ мѣтъ, и многое оу негѣ избавленїе, и тѣи избавитъ ииша ѡ вѣхъ беззаконїи єгѣ.

Хвалїте гдѣ вси ѣзыцы, похвалїте єгѣ вси людїе.

Ѧкѣ оутвердїна мѣтъ єгѣ на насъ, и истина гдѣна пребывѣетъ во вѣкѣ.

Гласъ: Стѣгѣ минѣи. И нынѣ: Бѣорѣдиченъ.

ANAST1

Τόν ζωοποιόν σου Σταυρόν, 8 /
 απαύστως 3 προσκυνούντες Χριστέ (ο Θεός), 6 (+3) \ *(v. esl. mss. tento dodatok nie je)*
 τήν τριήμερόν σου Ανάστασιν 10 δοξάζομεν, 4 /
 δι' αυτής γάρ ανεκαίνισας, 9 /
 τήν καταφθαρείσαν τών ανθρώπων 10 **
 φύσιν Παντοδύναμε, 7 /
 καί τήν εις ουρανοῦς άνοδον, 9 **
 καθυπέδειξας ημίν, 7 \

ως μόνος αγαθός
 καί φιλόανθρωπος. 11

→ Η̇ЗВЕДѢНІЕ ТЕМНІЦЫ ДѢШѢ МОЮ, НІ ПОВѢДАТИЕА НІ МЕННІ ТВОЕМѢ.



ЖИ-ВО- ТВО-РА-ЩЕ-МѢ ТВО-Е-МѢ КѢ-ТѢ,



НЕ-ПРЕ-СТА-Н-НУ КЛА-НА-Ю-ЩЕ-СА ХР-ТѢ (БЖ-Е),



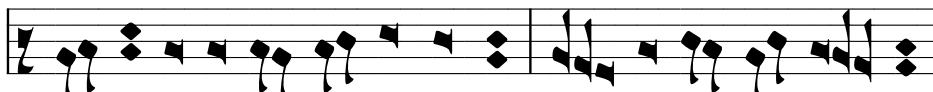
ТРИ-ДНѢВ-НО-Е ВОС-КРЕ-СѢ-НІ-Е ТВО-Е СЛА-ВНМЪ:



ТѢМЪ БО ѠБ-НО-ВІАМЪ Ѹ-СІН НІ-ПЛА-ЩЕ-Е



ЧЕ-ЛО-ВѢ-ЧЕ-КО-Е Ѹ-ПРЕ-СТѢ-ВѢ-СІА-НЪ-НЕ,



НІ НЖЕ НА НЕ-БЕ-СА ВОС-ХОДЪ ѠБ-НО-ВІАМЪ Ѹ-СІН НАМЪ,



ІА-КЪ Ѹ-ДІНЪ БЛГЪ НІ ЧЕ-ЛО-ВѢ-КО-ЛЮ-БЕЦЪ.

ANAST2

Τού **ξύλου** τῆς παρακοῆς, 8
 τό ἐπιτόμον ἔλυσας Σωτήρ, 10
 τῷ **ξύλω** τοῦ Σταυροῦ 6 **εκουσίως προσηλωθεῖς.** 8 ///

καί εἰς Ἄδου κατελθὼν Δυνατέ, 10
 τοῦ θανάτου **τά** δεσ-μά, 7 **ως Θεός, διέρρηξας,** 7 ///

διό προσκυνούμεν 6 **την** εκ νεκρῶν σου **Ἀνάστασιν,** 9
 εν αγαλλιᾷσει **βοῶντες,** 9 **Παντοδύναμε Κύριε** **δόξα σοι.** 11

→ **Με**не жадѣтъ прѣвѣдннцѣ, дѡдѣже воэдѣи мнѣ.



ἀρέ- βα πρε-ελδ-ωιά- ηῖ- ω ζα-πρε-μῆ- ηῖ- ε ραζ-ρῆ-ωήλζ ε- -εὶ- εῖ-σε,



ηλ ἀρέ-εῖ- κῆτ-ηῖ-εμζ κό- -λε-ιθ προ-γβοζ- δῆε-εω.



ηῖ βο ἄδζ εο-ωῆδζ εῖλβ-νε,



εμῆρτ-ηβ- ω οῦ- ζβι ἰά-κω εῖζ ραε-περ-ζάλζ ε- -εὶ-.



τῆεμ-ζε κλά-ηω- εμ-εω ε- -ζε ἡζ μέρτ-βυχ^α τβο-ε-μδ βοε-κρε-εέ- - - ηῖ-ιθ,



ρά- δο- εῖτῖ- ιθ βο- -πῖ- -ιό- ψε: βσε- εῖλβ- -νε γό-επο-δη, ελά- βα τε- εῖε.

ANAST3

Πύλας **Ἄδου** 4 συνέτριψας Κύριε, 7
 καί τώ σῷ θανάτῳ, 6
 τοῦ θανάτου 4 τό βα-σί-λει-ον ἐ- λυσας, 8
 γένος δέ τό ἀνθρώπινον, 8
 ἐκ φθοράς ἠλευθέρωσας, 8
 ζῶν καί ἀφθαρσίαν 7
 τῷ κόσμῳ / δωρησάμενος, 8
 καί τό μέγα ἔλεος. 7

→ Ἠζὶ γλῶσσηνὶ βοζζβάχζ κζ τεβѣ гдѣ, гдѣ, оуѣлыши глѣсз мѡѣ.



Вра- гѣ ѡ- дв- ва со-крд-шнѣлз ѡ-иѣ го- - -по- -дн,



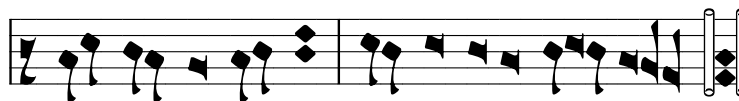
ѣ тѡ- ѣ-ю емѣр- тѣ- -ю емѣрт-но- е цѣр-сѣтѡ рѣз-рд- шнѣлз ѡ-иѣ:



рѡдз же че- ло-вѣ-чес-кѣѣ ѡ ѣс-тлѣ-нѣ-ѡ ево-во- -днѣлз ѡ- - иѣ,



жн-вѡтѣ ѣ не- тлѣ- - нѣ- - - е



мѣ-рдѣ да- ро- вѣвѣ, ѣ вѣ-лѣ-ю мнѣ- - -лѡсѣ.

Δεύτε ανυμνήσωμεν λαοί, 9
 τὴν τοῦ Σωτήρος τριήμερον Ἐγερσιν, 12
 δι' ὡς ελυτρώθημεν 7
 τῶν τοῦ Ἄδου αλύτων δεσμών, 9
 καὶ αφθαρσίαν καὶ ζωήν, 8
 πάντες ελάβομεν 6 κρᾶζοντες, 3
 ο σταυρωθεῖς, * καὶ ταφεῖς, καὶ αναστάς, 11
 σῶσον ἡμᾶς 4
 τῇ Α-ναστάσει σου, 6
 μόνε Φιλάνθρωπε. 6

→ **Δ**α εδδδггз оўши твоеѡ, внемлющѣ гл҃ѡл молѣнїа моєгѡ.



Πρῆν-δή-τε βοε-πο-ήμ^z λιό-δι-ε, ἐπά-ρο-βο τρη-δνέβ-νο-ε βοε-τά- - ηῖ- - ε,



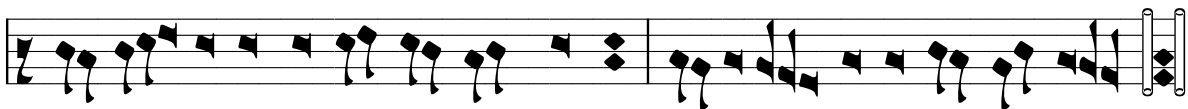
ήм-же ѡз- бѧ- вн-хом-ѡл ѧ-до-внх^z не-рѣ- шн- мнх^z оўзз:



ή не-тлѣ-нї- - ε ή жнз^h внѣ βοε-прї- ѡ- хом^z зо- вѣ- це:



рае-пннїѡ- ѡл, ή πο-гре-вѣїѡ, ή βοε-κѣ-εїѡ,



εῖ- - ή ны βοε-κρε- εέ- - ηῖ- - εμ^z τβο-ήμz ε-δн- не че-ло-вѣ- ко-лїб-че.

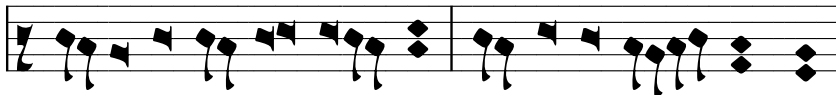
³ Textová štruktúra zhodná s Anatol 2.

Ἄγγελοι καὶ ἄνθρωποι Σωτήρ, 9
 τὴν σὴν υμνοῦσι τριήμερον Ἐγερσιν, 12
 δι' ὡς κατηγάσθη 6
 τῆς οἰκουμένης τὰ πέρατα, 9
 καὶ δουλείας τοῦ εχθροῦ, 7
 πάντες ελυτρώθημεν 7 κρᾶζοντες, 3
 Ζωοποιεῖ * παντοδύναμε Σωτήρ, 11
 σώσον ἡμᾶς 4
 τῇ Α-ναστάσει σου, 6
 μόνε Φιλάνθρωπε. 6

→ Ἄψιε βεζζακώηιλ ἡζρησιν γᾶη, γᾶη, κτὸ πορτοήτζ; ἱάκω οὔ τρεεὶ ὠχιμηνίε ἕρτζ.



ἌΓΓΛΗ ἢ ΧΕΛΟΒΪ-ЦЫ ΕΠΪ-ΣΕ, ΤΒΟ-Ε ΠΟ-ΙΟΥΤΪ ΤΡΗ-ΔΗΕΒ-ΠΟ-Ε ΒΟ-ΥΓΑ-ΝΗ-Ε,



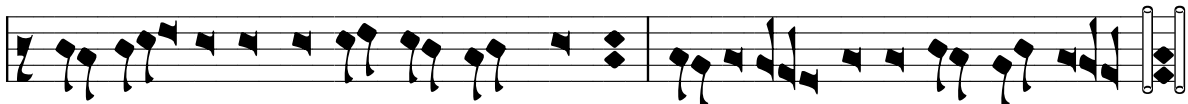
ἩΜ-ΖΕ ὠ-ΖΑ-ΡΗ-ΣΑ-ΣΩ ΒΕ-ΛΕΗ-ΝΗ-Λ ΚΟΗ-ЦЫ,



ἢ ΡΑ-ΒΟ-ΤΥ ΒΡΑ-ΖΗ-Λ ΒΗ ἢ Ζ-ΒΑ-ΒΗ-ΧΟΜ-ΣΩ, ΖΟ-ΒΪ-ΨΕ:



ΖΗ-ΒΟ-ΤΒΟΡ-ΥΕ ΒΕ-ΣΗΛΒ-ΝΕ ΕΠΪ-ΣΕ

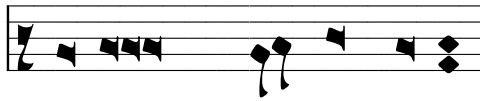


ΕΠΪ-ΣΗ ΝΥ ΒΟΕ-ΚΡΕ-ΣΕ-ΝΗ-ΕΜΪ ΤΒΟ-ΗΜΖ ἕ-ΔΗ-ΝΕ ΧΕ-ΛΟ-ΒΪ-ΚΟ-ΛΥΒ-ΥΕ.

⁴ Textová štruktúra zhodná s Anatol 1.

Πύλας χαλκάς **συνέτριψας**, 8
 καί μοχλοῦς **συνέθλασας** 7 **Χριστέ ο Θεός**, 12
 καί γένος ανθρώπων 6
 πεπτωκός **ἀνέστησας**, 7
 διά τούτο συμφώνως βοώμεν, 10
ο αναστάς εκ τών νεκρών, Κύριε δόξα σοι. 8+6

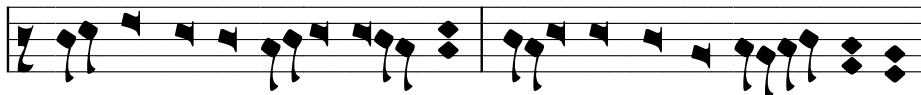
→ ἮΜΕΝΕ ράΔΗ ΤΒΟΕΓΩ ΠΟΤΕΡΠΕΧΖ ΤΑ ΓΑΗ, ΠΟΤΕΡΠΕ ΔΔΩΛΑ ΜΟΛ ΕΖ ΕΛΟΒΟ ΤΒΟΕ,
 ΟΥΠΟΒΑ ΔΔΩΛΑ ΜΟΛ ΗΑ ΓΑΑ.



Κρα-τὰ μῆδνα-α ετέρλαз ε̇-εὐ,



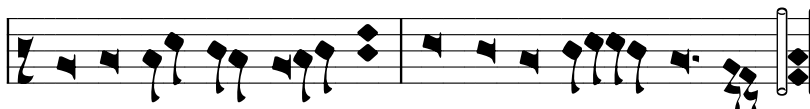
ἡ κε-ρε-η σο-κρδ-σηήλ* ε̇-εὐ χρ̇-τε βό-ζε,



ἡ ρόδз κε-λο-βε̇-χεε-κῆῖ πλά-σηῖῖ βοε-κρ̇-εήλз ε̇-εὐ.



εε-γὼ ρά-ΔΗ σο-γλάε-ηω βο- - πῖ- - έμз:



βοε-κρ̇-εῖῖῖ ἡз мέρт-вѣχ* γό-επο-ΔΗ, ελά-βα τε-βε̇.

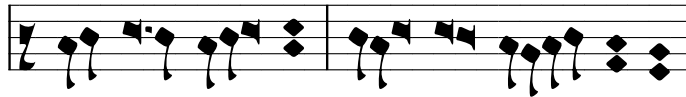
ANATOL4

Κύριε 3 η εκ Πατρός σου γέν-νη-σις, 8
 ά-χρο-νος υπάρχει * και α- - - ι- - δι-ος, 11
 η εκ Παρθέ- -νου σάρκωσις, 8
 άφραστος ανθρωπίσις * και ανερμήνευτος, 12
 και η εις ά- - δου κά-θοδος, 8
 φοβερά διαβόλω 7 και τοίς Αγγέλοις αυτού, 7
 θάνατον γάρ πατήσας, 7 τριήμερος α-έστης, 7
 αφθαρσίαν παρέχων ανθρωπίσις, 10
 και τό μέγα έλε-ος. 7

→ Ѡ στράжи о҃т҃реннїа до нѡци, ѡ στράжи о҃т҃реннїа, да о҃поκλέτѣ и҃нь на г҃дѣ.



Γό-πο- -δι, Ѡ-же ѡ-ύλ τβο-έ ροж-де-ствѡ,



βεζ-лѣт- но ѡ-стѣ ѡ прѣ- -но- -дѣ-цѣ-но:



Ѡ-же ѡ дѣ-вы ко- пло-цїе-нїе,



не-нз- ре-чѣн-но че-ло- вѣ-кωмъ ѡ не- ека- зѡн- но:



ѡ Ѡ-же во ѡдз- ро-шѣе-тѣ-е ст҃ра-но дї- -ά- -во- лѡ ѡ ѡ-γε-λωμ- ѡ-γῶ:



смер-тѣ ко- по- прѣвъ, трѣ-днѣ-вен- во-скрѣ-сѣ- -ен,



не-тлѣ-нїе по- да- бѡ- ѡ че- ло- вѣ-кωмъ, ѡ вѣ-лї-ю мѡ-тѣ.

На етїχόνηε етїχήρη βοικῆρη, γλάεε δ̣:

ΑΡΟΣΤΙΧΗ ⁵

Κύριε 3

ανελθών εν τῷ σταυρῷ, 7
καί κατελθών εν τῷ ἄδη, 8

αφθαρσί- -αν δωρούμενος 8
τῶν ανθρωπῶτων τῷ γένει, 7

τὴν προγονικὴν ἡμῶν κατάραν ἐξήλειψας, 14
τοὺς απ' αἰῶνος δεσμῖους ἠλευθέρωσας, 13

διὰ τοῦτο ὑμνοῦντες δοξαζομεν, 11
τὴν ζωοποιόν 5
καί σωτήριόν σου Ἐγερσιν. 9



Γό-επο- -δη,



βοε-σιέδζ на κῆτз, прά-дѣд-но-ю нά-шδ κλά-твδ ποτρε-εήλз ε̣- -εή,



ἡ εο-σιέδζ βο ἄδζ, вѣч- ны- ѿ οὔз-ни-ки εво-εο-дһлз ε̣- -εή,



не-тлѣ-нї- - ε δά- ρδ-ѿ че- ло- вѣ- -че-εко- мδ ρό- -δδ:



εε- γῶ ρά- -δη πο-ύ-циε ελά- -εημз



жн- во-тво-рѣ-циε ε ἡ εἶ- -εή-тлѣ-но-ε тво-ѣ во- етѣ- - нї- - -ε.

⁵ Text tejto stichiry je blízky nasledujúcej *Alfabet 1*. Ide nepochybne o dva varianty pôvodne jednej piesne.

επί ξύλου μό- νε Δυνα-τέ, 9

πάσαν κτίσιν εσάλευσας, 8

τεθείς εν τάφω δέ, 6

τούς κατοικούντας εν τάφοις ανέστησας, 12

αφθαρσίαν καί ζωήν δωρούμενος, 11

τώ γένει τών ανθρώπων, 7

διό υμνούμετες δοξάζομεν, 11

τήν τριήμερόν σου Ύγερσιν. 11

→ Γὰρ κοιμήσα, εν λέπτοῦ ὠλεχέσα.



Πο-β'έ-σην^z να δρέ- β'έ ε- δή-νε εήλ- νε, ενὸ τ'βάρ^b πο-κο-λε-βάλ^z ε-εἰ:



πο-λο-ζέν^z же во грό-β'έ, жи-в'д-ци-а во гро-β'έχ'z во-εκ'ρ- εήλ^z ε- -εἰ,



не-т'л'ε-н'ε ἡ ζήζη^b δά-ρδ-α че-λο- β'έ- че-εко- мδ ρό-δδ.



τ'έμ- же



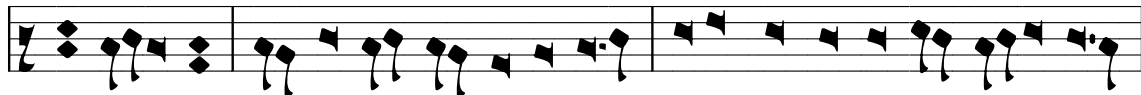
πο-ύ- με ελά- -βημz τρη-δνέβ-πο-ε τ'βο-ε βο-ετ'ά- - н'ε - ε.

⁶ Text tejto stichiry je blízky predchádzajúcej *Apostich*.

σέ προδούς τώ Πιλάτω, 7
 σταυρωθήναι κατεδίκασεν, 9
 αγνώμων περί τόν ευεργέτην φανείς, 12
 αυτεξουσίως ανέστης τριήμερος, 12
 και τό μέγα έ-λε-ος. 7

αλλ' εκών υπέ-μεινας ταφήν, 9
 ως Θεός δωρούμενος ημίν, 9
 ατελεύτητον ζωήν, 7

→ Ἦκο οὐττεβρδὴ βελεένιδιο,* ἱάζε νε ποδβήжитса.



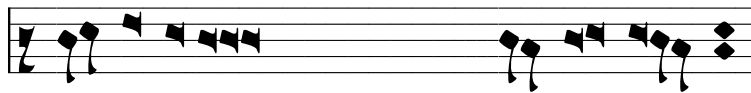
Λιό- -δι- - ε βε-ζα-κόη- ηϊ- -η χῥῶ- -τέ, τε-βέ- πρε-δάβ-σιε πι- -λά- -τῶ,



ραε- πά- - -τη ὦ-εδ- δή-σια,



νε-βλα- γο-δάβ-νη ὦ βῆ- γο-δῆ- τε- λι ἱά- -βήβ- -σιε- σα.



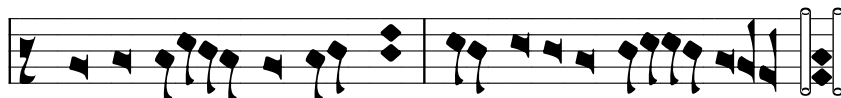
НО ВÓ-ле-ю преттерпѣлѣз ѣсѣ по-гре- вѣ- -нї- - е:



са мо-вλάѣт-нѡ во-скрѣлѣз ѣ-сѣ три- днѣв-нѡ



ἱά- κω βῆζ, δά- -ρῶ- ὦ ἡάμζ



βε-ζ-κο- нѣч- ный жн-вóтѣ, ἡ βέ-λι-ю μή- - - логѣ.

Μετά δακρύων Γυ-ναίκες, 8
 κατα-λαβούσαι τό μνήμα 8 σέ επεζήτησαν, 6
 μή ευρού- -σαι δέ ~, ολοφυρόμεναι, 11
 με-τά κλαυθμού ~ βοώσαι έλεγον, 10

Οίμοι ~ 2 Σωτήρ ημών, 4 Βασιλεύ των απάντων, 7
 πώς ~ εκλάπης; 4
 ποίος δέ τόπος 5 κατέχει τό ζωφόρον σώμά σου, 11

Άγγελος δέ προς αυτάς α-πεκρίνατο. 12
 Μή κλαίετε φησίν, 6 αλλ' απελθούσαι κηρύξατε, 9
 ότι α- -νέσ-τη ο Κύριος, 9
 παρέχων ημίν αγαλλίασιν, 10
 ως μόνος εύσπλαγχνος. 6

→ Δόμδ τκοεμδ ποδοείετз ετγίηα, γλη, βз долгоτδ днйй.



σο ελε-ζά-μη κε-νηι δο-σιέ-σα γρό- -βα, τε-εε ήε- -κά- -χδ,



ηε ώε-ρβτ-σα κε, ρει- -δά- -η-σα



εз πλά- -χεμз βο- πй- ίο- -σα гла- γό- -λα- -χδ:

⁷ Znak ~ je umiestnený tam, kde má nám dostupný grécky nápev z 12.-14. storočia *fity*. Štruktúra csl. textu a melódie je upravená podľa gréckeho vzoru.



οὐ- βύι



νάμz, εἶ- σε νάσιz ца- ριὸ βεῖχz,



κά-κω οὐ-κρά- денz бѣмz εἶ-σι;



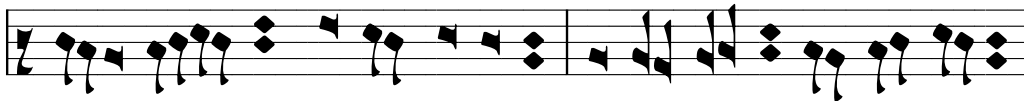
κό- ε же мѣ-сто дер-жѣт^z жи-во-нѡ-но- ε τѣ- λο τβο- ε;



ἄγγλz же κz нѣмz ѿ-βѣ- ца- -βά-ше,



не πλά- -чи- - -τε, гла- γό- - -летz,



но шѣд- шѡ про-по- вѣ-ди-те, ἰά- κω βοε- κῆ- σε го- επόδъ,



по-да- ѡ нѣмz ρά- доет^h, ἰά- κω εἶ-δῆν^z εἰ-го- -δ- - -τρό- бенz.

На хвалитѣхъ стѣхѣры воєкѣны, гласъ ѿ:

Всѣ́кое ды́ханіе да хва́литъ гдѣ.
Хва́лите гдѣ еъ нѣеъ,
хва́лите ѣгò въ вѣ́шнихъ.
Тебѣ́ подо́баетъ ꙗ́ко ебѣ.

Хва́лите ѣгò въ ѿ́блѣн ѣгò,
хва́лите ѣгò въ ѿ́блѣн ѣгò.
Тебѣ́ подо́баетъ ꙗ́ко ебѣ. --- --- ---

Ѿ заѣ́ начинѣемъ стѣхѣры на ѣ:

Сотвори́ти въ нѣхъ ебѣ напісанъ:
сла́ва ѿ́б ебѣтѣ вѣ́емъ ꙗ́ко ебѣ.

Хва́лите ебѣ во стѣхѣхъ ѣгò,
хва́лите ѣгò во ѿ́твѣрженіи ѣгò.

На ѿ:
Хва́лите ѣгò на ѣгòхъ ѣгò,
хва́лите ѣгò по мно́жествѣ вели́чествѣ ѣгò.

Хва́лите ѣгò во гласѣ́хъ ꙗ́ко ебѣ,
хва́лите ѣгò во ѿ́блѣнѣ ꙗ́ко ебѣ.

Хва́лите ѣгò въ тѣ́мплѣхъ ꙗ́ко ебѣ,
хва́лите ѣгò во стѣ́нахъ ꙗ́ко ебѣ.

Хва́лите ѣгò въ кѣ́мбѣлѣхъ до́брогласныхъ.
хва́лите ѣгò въ кѣ́мбѣлѣхъ воєкѣнѣхъ.
Всѣ́кое ды́ханіе да хва́литъ гдѣ.

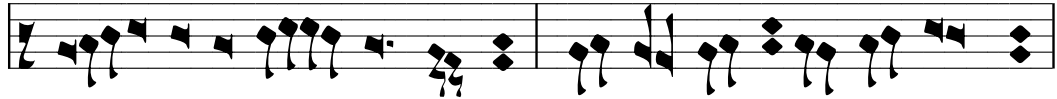
Воєкѣ́ни гдѣ ебѣ мо́й, да вознесѣ́те ꙗ́ко ебѣ,
не забѣди ѿ́бѣгнѣхъ твоѣхъ до концѣ.

И ꙗ́ко ебѣ тебѣ́ гдѣ вѣ́емъ ѣрѣцѣмъ моѣмъ,
ꙗ́ко ебѣ въ ѿ́блѣн твоѣ.

ANAST4

Ο σταυρόν υπομείνας καί θάνατον, 11
 καί αναστάς / εκ τών νεκρών, 8
 παντοδύναμε Κύριε, 8
 δοξάζομέν σου τήν Ανάστασιν. 10

→ СѦТѦКОРІТІ ВЪ НІЧЪ СДѦЗ НАПІСАНЪ: СЛѦКА СІДЪ СДѦЕТЪ ВЪСѦМЪ ПРѦБЕНІМЪ СІГѦ.



КѦТЪ ПРѦ-ТѦР-ПѦ- - ВЪИ Ѩ СМѦРТЪ, Ѩ ВОС-КРѦ-СЪИ ѨЗ МѦРТ-ВЫХЪ



ВЕСІЛЪНЕ ГѦ- - СПО- ДИ, СЛѦ- ВІМЪ ТВО- È ВОС-КРЕ- СЕ- - НІ- - Е.

ANAST5

Εν τῷ σταυρῷ σου Χριστέ, 7

τῆς ἀρχαίας κατάρας 7

ἠλευθέρωσας ἡμᾶς, 7

καί ἐν τῷ θανάτῳ σου, 7

τόν τήν φύσιν ἡμῶν τυραννήσαντα, 11

διάβολον κατήργησας, 6

ἐν δέ τῇ ἐγέρσει σου, 7

χαράς τα πάντα * ἐπλήρωσας, 9

διό βοώμέν σοι, 6 ο ἀναστάς ἐκ τῶν νεκρῶν, 8

Κύριε δόξα σοι. 6

→ Χβαλί́те бѣ́а во сѣ́лѣхъ љ́гѡ, хва́лі́те љ́гѡ во о́у҃тве́рже́нїи сї́лы љ́гѡ.



Κρ̂-τὸμ̂ τ̂βο- ἡμ̂ χ̂ρ̂- τ̂ε, ὡ̂ δ̂ρέβ-η̂ι -α κλα̂τ̂βι βο-βο-δ̂ηλ̂ ε̂- σ̂η̂ ἡλ̂ς,



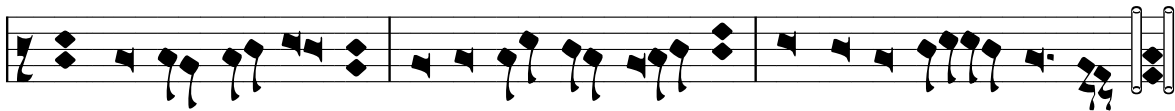
ἡ̂ σ̂μέρ-τ̂ι̂ ἡ̂ τ̂βο-έ- ἡ̂



ε̂-τε-ε̂τ̂β̂ὸ ἡ̂-ше̂ м̂д̂-ча-ца-го̂ д̂ї̂ -ά-βο-ла̂ ο̂у̂-пра̂зд̂а-η̂η̂λ̂з̂ ε̂- σ̂η̂:



βο-ε̂τ̂ά-η̂ι̂ ε̂μ̂̂ же̂ τ̂βο-ἡ̂μ̂з̂ ρ̂ά-δο- -ε̂τ̂η̂ β̂ε̂δ̂ ἡ̂ε̂-πόλ̂ -η̂η̂λ̂з̂ ε̂-σ̂η̂.



τ̂ε̂μ̂-же̂ βο- π̂ι̂ ε̂μ̂̂ τ̂η̂: βο̂ε̂-κ̂ρ̂-ε̂β̂ι̂η̂ ἡ̂з̂̂ μ̂ε̂ρ̂τ̂-вы̂л̂х̂̂ γ̂ό-ε̂πο-д̂η̂, ε̂λ̂ά̂ -βα̂ τε̂-ε̂β̂ε̂.

ANAST6

Τὼ σὺ Σταυρῷ Χριστέ Σωτήρ, 8

Οδηγήσον ἡμᾶς 6 ἐ-πι τὴν α-λήθειάν σου, 8

καί ρύσαι ἡμᾶς, 5 τῶν παγίδων τοῦ ἐχθροῦ, 7

ο α-να-στάς εκ τῶν νεκρῶν, 8

ἀνάστησον ἡμᾶς 6 πεσόντας τῆ αμαρτί- -α, 8

εκτείνας τὴν χεῖρά σου, 7

φιλόνηρωπε Κύριε, 7 τῆ πρεσβεῖα τῶν Ἁγίων σου. 9

→ Χβαλί́те ε̇го на сіахъ э̇го, хвалі́те э̇го по мнѡжествѣ вєлічєствѣа э̇го.



Тво-імъ кр̑-тѡмъ хр̑-тѣ еп̑-се, на-ста-ви насъ на ѡ-сти-нѣ тво-ю,



и ѡз-бави насъ ѡ-стѣй вєр-жї-нхъ,



воє-кр̑-сїи ѡз̑ мєрѣ-внхъ, воє-ста-ви ны п̑д-шы-а-са гр̑-хѡмъ,



прѡ-стєр̑ ρ̑-κδ̑ тво-ю чє-лѡ-вѣ-кѡ-лїб-чє гѡ-επο-ди,



мо-лї-тва-ми вєр-тїхъ тво-їхъ.

ANAST7

Τῶν Πατρικῶν σου κόλπων, 7 μὴ χωρισθεῖς 4

ἦλθες ἐπὶ γῆς 5 διὰ φιλ-αν-θρω-πί-αν, 7

μο-νο-γε-νές
ἄνθρωπος
γενό- -με-νος

Λόγε τοῦ Θεοῦ, 9

ατρέπτως, 10

καὶ Σταυρόν καὶ θά-νατον 7 υπέμεινας σαρκί, 6
α- -να-στάς δὲ ἐκ νεκρῶν 7 ἀθανασίαν παρέσχες 8

ο ἀπαθῆς τῆ θεότητι, 9
τῷ γένει τῶν ἀνθρώπων, 7

ὡς μόνος παντοδύναμος. 8

→ ХВАЛИ́ТЕ ѿ́ГО БО ГА́ИѢ ПРѢБНѢМЪ, ХВАЛИ́ТЕ ѿ́ГО БО ПСАЛТІ́РН І́ ГДѢЛЕХЪ.



Ὁ-τέ-χε-κηνᾶ τβο- ἠχᾶ ηἰδρᾶ



не рлз-лδ- чнв-са, ѿ- -дн- но-рѡд-ныи ѡ-ве бѡ-жїи,



прн-шлѡ ѿ-сн на зѡм-лю за че- ло-вѣ-ко-лю-бї-е,



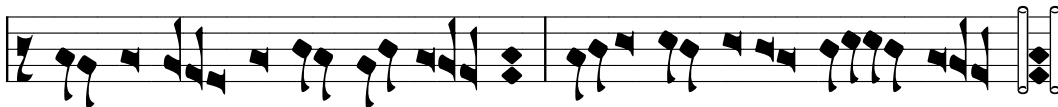
че- ло-вѣкᾶ бѡѡвѡ не- пре- лѡ- -женᾶ,



и крѣтѡ и смѡртᾶ пре-тер-пѣлᾶ ѿ-сн плѡ-тї-ю, без-сѡтрѡст-ныи бо-же-сѡтвѡмᾶ:



во-крѣᾶ же и зᾶ мѡрт-тѡвнхᾶ, без-смѡртї-е пѡ-длᾶ ѿ- сн



рѡ- δδ че- - ло-вѣ- че- ско-мδ, ѡ- -κω ѿ-δннᾶ все- -сн- -ленᾶ.

Θάνατον κατεδέξω σαρκί, 9

ημίν αθανασίαν 7

καί εν τάφω ώκησας, 7 ίνα ημάς του άδου ελευθερώσης, 12

πραγματευσόμενος Σωτήρ, 8

συν- -α-ναστήσας ε-αυ-τώ, 8

παθών μέν ως άνθρωπος, 7

αλλ' α-να-στάς ως Θε-ός, 7

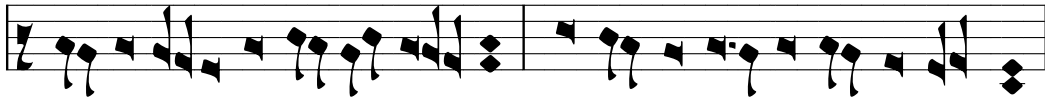
Διά τούτο βοώμεν. 7

Δόξα σοι, ζωοδότα Κύριε, **μόνε Φιλάνθρωπε.** 10+6

→ **Χ**βαλί́τε ѿ-го-во-тъм-пáнѣ ѡ-лицѣ, хва-ли́те ѿ-го-во-спѣ-дѣ-на-хъ ѡ-ор-га-нѣ.



С-мѣ-рѣ-тѣ прѣ-д-л-ѣ-ѿ ѿ-д-н-а-го-пл-о-тѣ-ю, на-мъ-ве-з-ме-рѣ-тѣ-ε-хо-д-а-та-и-сп-е-д-ѣ-на-ε-п-и-ε,



ѡ-во-г-р-ѣ-ѿ-ве-лѣ-на-ѿ ѿ-д-н-а, да-на-ѣ-ѿ ѿ-д-а-во-во-дѣ-ши,



во-к-рѣ-ѣ-ѿ-ѿ-ε-во-б-о-ю: по-сп-е-д-ѣ-на-ѿ ѿ-д-а-во-во-дѣ-ши,



но-во-к-рѣ-ѿ-ѿ-ε-во-б-о-ю.



ε-γ-ω-ρα-δ-η-βο-π-ι-ε-μ-ε: ε-λ-α-βα-τε-ε-τ-ε-ζ-η-νο-δ-α-β-ε-γ-ο-ε-πο-δ-η,



ѿ-д-н-а-не-че-ло-вѣ-ко-лю-б-е.

Πέτραι εσχίσθησαν Σωτήρ, 8 **ότε εν τῷ Κρανίῳ** 7 ο Σταυρός σου επάγη, 7
 ἔφριξαν ἄδου τυ- -λωροί, 8 **ότε εν τῷ μνημείῳ** 7 ως θνητός κα-τετέθης, 7
 καί γάρ του θανάτου 6 καταργήσας τήν ισχύν, 7
 τοῖς τεθνεώσι πάσιν 7 αφθαρσί-αν παρέσχες, 7
τή Α-ναστάσει σου Σωτήρ. 8 **Ζωοδότα Κύριε δόξα σοι.** 10

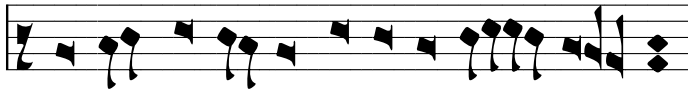
→ **Хвалите** **ѿ**го въ кѣмъ вѣрѣхъ добродѣиныхъ.
 хвалите **ѿ**го въ кѣмъ вѣрѣхъ воицкнцѣиѣ. Вѣрѣкоє дѣхѣнїє да хвалитѣ гдѣ.



Κά-με-νή-ε ρε-πα- δά-σε- σα επ̄ - σε,



ѿ-γ-δλ̄ на лѡб-нѣмъ крѣтѣ чѣбѡ̄ во-дрѣ-зѣ-са,



οὔ-στρα-ση-σα-σα ἄ-δω-вы врат- -ни- цы,



ѿ-γ- δλ̄ во грѡ- бѣ̄ ѿ-κω мѣртѣмъ по-ло-жѣнъ былъ ѿ-сн̄:



ἦ- во смѣрт-нѣ-ю οὔ-пра-зднѣ-выӣ крѣ- постѣ,



οὔ-мѣр- -шымъ вѣрѣмъ не-члѣ- -нї-ε πό-δμ̄ ѿ-сн̄



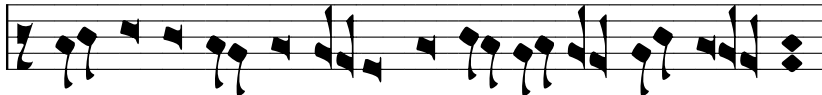
во-с-кре-сѣ-нї-емъ чѣбѡ-нѣмъ επ̄ - -σε, жнз- но- -дѣ- че гѡ-спо-дн̄, сла- ва чѣ-бѣ̄.

Επεθύμησαν Γυναίκες, 8 ιδεῖν σου τὴν Ἀνάστασιν, 8
 Χριστέ ο Θεός, 5
 ἦλθε προλαβούσα /Μαρί-α 9 ἡ Μαγδαληνή, 5
εὔρε τόν λίθον 5 αποκλισηθέντα τοῦ μνήματος, 10
καί τόν Ἄγγελον 5 καθεζόμενον καί λέγοντα. 9
Τί ζητεῖτε /τόν ζῶντα 7 μετά τῶν νεκρῶν, 5
ἀνάστη ως Θεός, 6 ἵνα σώσῃ τὰ σύμπαντα. 8

→ Βοικρήνὴ γὰρ εἶπε μόνη, δι κοζνερέττω ρδικὰ τκοῶν, νε ζαβδδι οἰκόγηχζ τκοήχζ δο κοηζά.



Βοζ-ζε-λί-σα κε-νήϊ βή-δέ-τη τκο-ε κοε-κρε-εέ-ηϊ -ε, χρ̄-τὲ εἶπε,



πρ̄-ἡ-δε προε-βάρ-ση μα-ρί-α μαγ-δα-λή-να,



ὦ-ερε-τε κά-μενβ ὦ-βα-λένζ ὦ γρό-βα,



ἡ ἄγ-γε-λα εἶ-δά-σα, ἡ γλα-γό-λυ-σα:



ὅτι ἤ-ψε-τε κη-βά-γο εἶ-μέρτ-βυ-μη:



κοε-κρε-ε ἰά-κω εἶπε,



δι εἶ-πέ-ετζ βεά-χε-κα-α.

⁸ Začiatok stichiry – porov. Alfabet 3. Oslovenie “Χριστέ ο Θεός” sa v esl. rukopisoch do 17. stor. nenachádza, zatiaľčo v závere stichiry je kolon navyše – “tomú poklonímsja”.

ANATOL 8

Πού εστιν Ιησούς, 5 **ὄν** ελογίσασθε φυλάττειν; 9
 εἶπατε Ιουδαίοι, 7
πού εστιν, 3 **ὄν** εθήκατε εν τῷ μνήματι, 10
 τόν λίθον σφραγίσαντες, 7
δοτε τόν νεκρόν, 5 οἱ τήν ζωήν αρνησάμενοι, 9
δοτε τόν ταφέντα, 6 ἢ πιστεύσατε ἰῶ ἀναστάντι, 10
 κάν υμεῖς * σιγήσητε τοῦ Κυρι- ου τήν Ἐγερσιν, 15
 οἱ λίθοι κεκράζονται, 7
 μάλιστα ο ἀποκλισθεῖς / εκ τοῦ μνήματος. 14

Μέγα σου τό ἔλε- ος! 7
Μέγα τό μυστήρι- ον 7
 τῆς οἰ-κο-νο-μίας σου! 7
 Σωτήρ ημῶν **δοξα** σοι. 7

→ Ἡποπόμενα πρεβεῖ γῆν βρεῖμα ἐράδεμα μοίμα, ποβέμα κεῖ ἰδεεῖ τβοῶ.



Γαῖε ἔρετῆ ἰη-δεις, ἔ-γόζε κληνήστε ετρε-ψη,



ρψύ- τε ἰ - δ - δέ - - η;



Γαῖε ἔρετῆ, ἔ- γό- ζε πο-λο-κή-στε βο γρό-βεῖ, κά-μενῆ ζα-πε-χατ-λέβ-ση;



δα-δή- - τε μέρ- τβα, ἦ- ζε ζη-βο- -τῶ ὦ- βέργ- ψῖ- η-σα:



δα-δή-τε πο-γρε- βέν-να- γο,



ἦ-λή- βεῖ- ρδῆ-τε βο-κῆ- -ση-μδ.



Ѓ_ ЦЕ Н ВѢ ОУ_ МОЛ_ЧН_ТѢ ГО_СПОД_НЕ ВОС_ТА_ НІ_ _ Е,



КА_ МЕ_НІ_ Е ВО_ЗО_ _ ПІ_ _ ЁТЪ, ПА_ЧЕ ЖЕ Ѡ_БА_ ЛЕН_ _ НЫІ Ѡ_ ГРО_БА.



ВЕ_ ЛІ_ КА_А ТВО_А МЛѢТЬ, ВЕ_ ЛІ_ _ Е ТА_ННОТКО СМО_ТРЕ_НІ_А ТВО_Е_ГѠ



СІ_СЕ НАШЪ, СЛА_ _ ВА ТЕ_ _ БІЕ.